A MILESTONE FOR TOURISM?

TOI

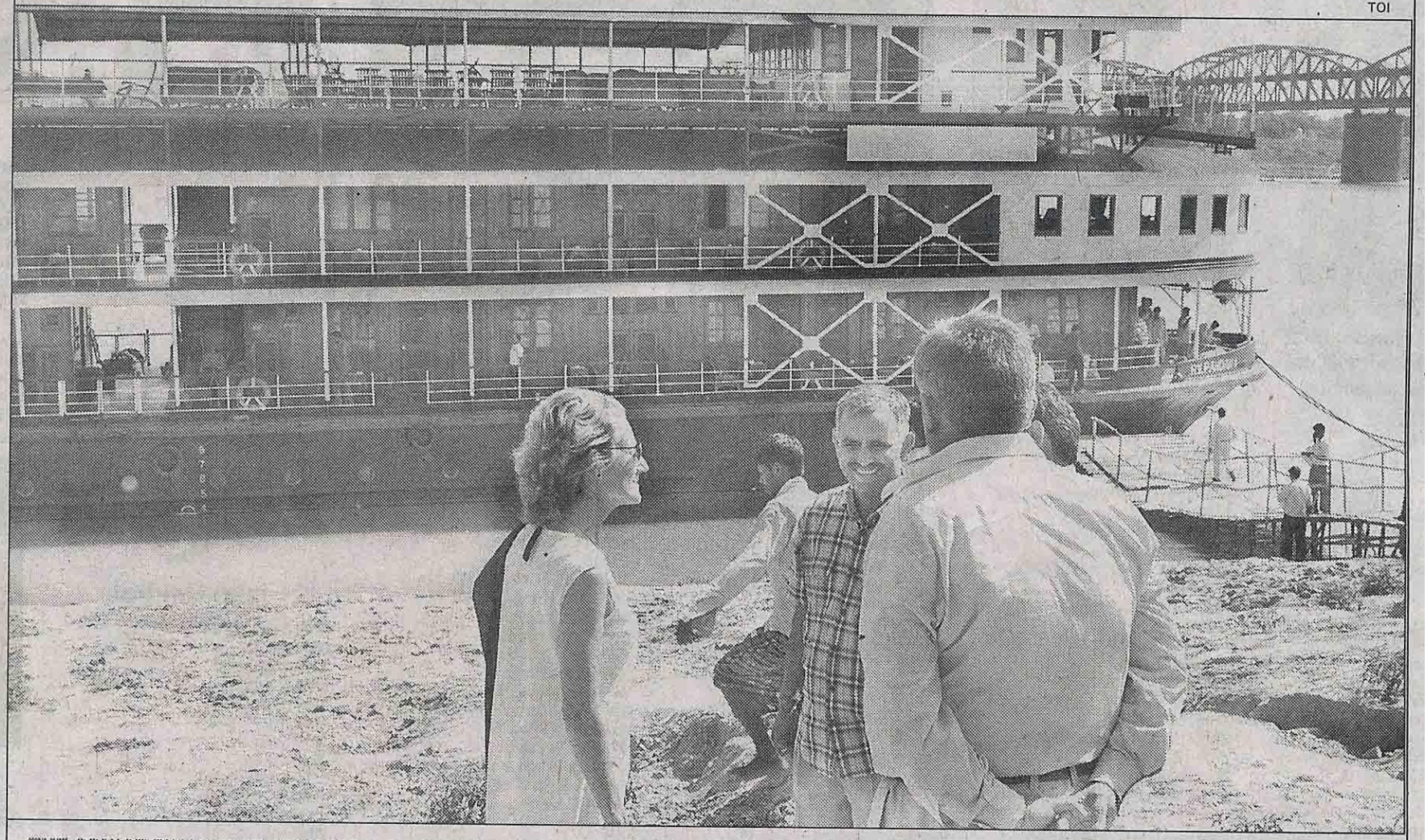

THE CRUISE FINALLY ARRIVES: The cruise standing at Khidakiya Ghat on Sunday, just before the Rajghat, the beginning point of tortoise sanctuary

गंगा से जुड़ी कोलकाता से बनारस तक की यात्रा

कोलकाता : अब बनारस जाने के लिए सीधे गंगा से रास्ता तय कर सकते हैं। यह यात्रा पाण्डव शुरू कर रही है। सफर की शुरुआत 29 सितम्बर सुबह 5.30 बजे शुरू होने जा रही है। पाण्डव के इस पहले दौर में 43 विदेशी कोलकाता से बनारस जायेंगे। कुल 15 दिनों के इस सफर में किनारों से गुजरने वाले मनोरम दृश्यों के साथ ही वहां की खूबसूरती से भी उन्हें अवगत करवाया जायेगा। पाण्डव के डायरेक्टर बिजनेस, कैप्टन संदीप शेखावत ने ***सन्मार्ग*** को बताया कि यह एक बेहतरीन यात्रा होगी जिसका लुत्फ पर्यटक उठायेंगे साथ ही बंगाल, बिहार व उत्तर प्रदेश के पर्यटन को काफी फायदा पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि 5 दिनों तक पश्चिम बंगाल की खूबसूरती दिखायी जायेगी। पहला ठहराव चन्दन नगर होगा, पलाशी, चिड़सुड़ा, कलना, मुर्शिदाबाद, जंगीपुर, अजीमगंज, फरक्का आदि स्थानों पर विदेशी पर्यटकों को घुमाया जायेगा। इस जहाज के पहले दौर में 43 विदेशी मेहमान तथा उनकी सेवा व जहाज को चलाने वाले 25 लोग साथ होंगे। यहां लगभग 24 केबिन हैं तथा 10 केबिन क्रू के लिए केबिन बनाये गये हैं। 3 तल के इस जहाज में स्पा, जिम तथा खुली जगह होगी जहां

सुन्दरवन व शान्तिनिकेतन के लिए भी जल्द ही सम्भावना

बैठकर इत्मिनान से समय बिताया। संदीप शेखावत ने बताया कि जैसे ही जहाज बंगाल की सीमा को लांघकर बिहार पहुंचेगा वहां पर शस्त्रधारी पुलिस होगी जिसके लिए बिहार पुलिस को सात दिनों के लिए 2 लाख रुपये देने होंगे। इसके बाद उत्तर प्रदेश की सीमा पर भी पुलिस की पूरी सुरक्षा व्यवस्था रखी जायेगी। पाण्डव के निदेशक विष्णु सिंह ने बताया कि पहले दौर में आने वाले विदेशियों में अधिकतर अवकाशप्राप्त लोग हैं जिनमें महिलाओं की भी बराबर की भागीदारी है। बनारस से दूसरा बैच कोलकाता के लिए आयेगा जिसमें से 40 लोगों की बुकिंग हो चुकी है। विष्णु सिंह ने बताया कि भारतीय भी चाहें तो इससे यात्रा कर सकते हैं। उनके लिए कीमत कम होगी। लोगों की सहूलियत के लिए डॉक्टरों का पैनल तैयार किया गया है जिन्हें इमरजेंसी के दौरान बुलाया जा सकता है। संदीप शेखावत ने बताया कि उनके जहाज का नाम पाण्डव है मगर उनकी टीम उसका नाम बंगाल पाण्डव रखना चाहती है। यह यात्रा सितम्बर से मार्च तक उपलब्ध होगी। भारत के तथा पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए अप्रैल से सुन्दरवन व शान्तिनिकेतन की यात्रा शुरू की जा सकती। यह यात्रा छोटी और अलग तरह की अनुभूति दिलाने वाली होगी।

First tourist cruise oversteps boundaries?

Rajeev Dikshit | TNN

Varanasi: The first tourist cruise on the Ganga finally reached Khidakiya Ghat in Varanasi on Sunday, but amidst controversy.

The Inland Waterways Authority of India (IWAI) claims that the Haldiya to Allahabad route was declared as National Waterway number-I by the Central government in 1986. Later, in 1989, a seven-km stretch of the Ganga — from Rajghat to Ramnagar fort — was declared as wildlife protected zone by the Central government which also prohibited operation of motor-operated boats there.

More contradictory is the fact that the cruise arrived here after crossing the Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary of Bhagalpur, Bihar, another prohibited stretch.

TOI

Cruise ship at Khidakiya Ghat